Under CSR Support by Ipca | Foundation missiongyan

अध्याय – 3 | लिंग, धर्म और जाति

QUIZ PART-02

1. **गांधीजी के अनुसार राजनीति को किससे निर्देशित होना चाहिए?**
   A. केवल हिंदू धर्म से
   B. केवल इस्लाम धर्म से
   C. सभी धर्मों से निकले नैतिक मूल्यों से
   D. केवल राजनीतिक दलों से (C)

व्याख्या : गांधीजी का मानना था कि राजनीति को नैतिक मूल्यों से निर्देशित होना चाहिए, जो सभी धर्मों से जुड़े हैं।

2. **मानवाधिकार समूहों के अनुसार सांप्रदायिक दंगों को रोकने के लिए क्या करना चाहिए?**
   A. पुलिस बल बढ़ाना
   B. विशेष कदम उठाना और अल्पसंख्यकों की रक्षा करना
   C. केवल बहुसंख्यक धर्म का समर्थन करना
   D. सेना को सत्ता सौंपना (B)

व्याख्या : मानवाधिकार समूहों का मानना है कि सांप्रदायिक दंगों को रोकने और अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए विशेष कदम उठाए जाने चाहिए।

3. **महिला आंदोलनों के अनुसार पारिवारिक कानूनों में क्या समस्या है?**
   A. वे पुरुषों के पक्ष में होते हैं
   B. वे महिलाओं के साथ भेदभाव करते हैं
   C. वे केवल हिंदू धर्म पर लागू होते हैं
   D. वे केवल अदालत में मान्य होते हैं (B)

व्याख्या : महिला आंदोलनों का तर्क है कि सभी धर्मों के पारिवारिक कानून महिलाओं के साथ भेदभाव करते हैं।

4. **हमारे देश में विवाह, तलाक, गोद लेना और विरासत जैसे मामलों पर किस प्रकार के कानून लागू होते हैं?**
   A. समान नागरिक संहिता
   B. विभिन्न धर्मों के अनुसार अलग-अलग पारिवारिक कानून
   C. केवल केंद्र सरकार के कानून
   D. केवल राज्य सरकार के कानून (B)

व्याख्या : भारत में विभिन्न धर्मों के अनुयायियों पर विवाह, तलाक, गोद लेना और विरासत जैसे मामलों में अलग-अलग पारिवारिक कानून लागू होते हैं।

5. **राजनीति और धर्म के बीच समस्या कब उत्पन्न होती है?**
   A. जब धर्म नैतिक मूल्यों से जुड़ा हो
   B. जब धर्म को राष्ट्र का आधार माना जाए
   C. जब सभी धर्मों को समान महत्व दिया जाए
   D. जब धार्मिक स्वतंत्रता दी जाए (B)

व्याख्या : समस्या तब होती है जब धर्म को राष्ट्र का आधार बना दिया जाता है और इसे अन्य धर्मों से श्रेष्ठ माना जाने लगता है।

6. **राजनीति से धर्म को जोड़ने की प्रक्रिया को क्या कहा जाता है?**
   A. धर्मनिरपेक्षता
   B. सांप्रदायिकता
   C. लोकतंत्र
   D. साम्यवाद (B)

व्याख्या : जब राजनीति में धर्म की अभिव्यक्ति किसी समुदाय की विशेषता के दावे और पक्षपोषण का रूप लेने लगे तो इसे सांप्रदायिकता कहते हैं।

7. **किस स्थिति में सांप्रदायिकता अधिक गंभीर हो जाती है?**
   A. जब राज्य धर्म को समान दृष्टि से देखे
   B. जब राज्य किसी एक धर्म के पक्ष में अपनी सत्ता का इस्तेमाल करे
   C. जब सभी धर्मों के बीच संवाद हो
   D. जब धार्मिक स्वतंत्रता मिले (B)

व्याख्या : सांप्रदायिकता तब गंभीर होती है जब राज्य अपनी सत्ता का प्रयोग किसी एक धर्म के पक्ष में करता है।

8. **गांधीजी ने धर्म को राजनीति से अलग करने का विचार क्यों नहीं माना?**
   A. क्योंकि धर्म से राजनीति भ्रष्ट हो जाती है
   B. क्योंकि धर्म से नैतिक मूल्य राजनीति को दिशा दे सकते हैं
   C. क्योंकि केवल हिंदू धर्म सर्वोच्च है
   D. क्योंकि राजनीति में धर्म आवश्यक नहीं (B)

व्याख्या : गांधीजी का मानना था कि धर्म के नैतिक मूल्य राजनीति को सही दिशा दे सकते हैं, इसलिए इसे पूरी तरह अलग करना उचित नहीं।

9. **पारिवारिक कानून किस प्रकार के मामलों से संबंधित होते हैं?**
   A. शिक्षा और रोजगार
   B. विवाह, तलाक, गोद लेना, विरासत
   C. राजनीति और चुनाव
   D. सेना और रक्षा (B)

व्याख्या : पारिवारिक कानून मुख्य रूप से विवाह, तलाक, गोद लेना और विरासत जैसे मामलों से संबंधित होते हैं।

10. **सांप्रदायिकता का एक प्रमुख संकेत क्या है?**
   A. सभी धर्मों को समान मानना
   B. एक धर्म के विचारों को अन्य से श्रेष्ठ मानना
   C. धार्मिक स्वतंत्रता को प्रोत्साहित करना
   D. सभी समुदायों को समान अधिकार देना (B)

व्याख्या : सांप्रदायिकता का एक संकेत है कि जब एक धर्म के विचारों को दूसरे से श्रेष्ठ माना जाने लगे और उसका राजनीतिक लाभ उठाया जाए।